विहीन समाज की स्थापना के लिए आवश्यक है।

वेलर्स → समाजवाद एक लोकतांत्रिक आंदोलन है जिसका उद्देश्य समाज में ऐसे आर्थिक संगठन का निर्माण करना है जो व्यक्ति को हर समय अधिकतम संभव न्याय व स्वतंत्रता दे सके।

- सर्वप्रथम समाजवाद शब्द के प्रयोग का श्रेय रॉबर्ट ओवेन को जाता है।
- समुदाय, समानता, सहयोग, सामाजिक वर्ग तथा सामूहिक स्वामित्व आदि समाज के प्रमुख तत्व है।
- फूरियर समाजवादी थे
- समाजवाद के प्रारम्भ → मार्क्स के पूर्व समाजवाद बेहद आरंभिक व काल्पनिक अवस्था में था। अतः इसे कल्पना-लोकीय समाजवाद (utopian Socialism) कहा जाता है।
- इसके बाद आधुनिक पूंजीवाद के खिलाफ समाजवादी आंदोलन अनेक स्वरूपों में उभरा।
- इनमें मार्क्स द्वारा विकसित 'क्रांतिकारी समाजवाद' सबसे महत्वपूर्ण व प्रचलित था जबकि सामायिक व स्थानीय परिस्थितियों के आधार पर इसके अन्य स्वरूप जैसे गिल्ड समाजवाद, फेबियन समाजवाद आदि भी विद्यमान थे।

कल्पनालोकीय समाजवाद → UTOPIAN SOCIALISM

- कल्पनालोकीय समाजवाद उन विचारकों का सिद्धांत था जो नैतिकता और आदर्शों पर आधारित समाज की कल्पना कर रहे थे, परंतु उनके पास इसे हासिल करने का कोई वैज्ञानिक तरीका नहीं था।
- यही कारण था की कार्ल मार्क्स ने अपने से पूर्व के समाजवाद को कल्पनालोकीय समाजवाद कहा है
- मार्क्स का मानना था कि समाजवाद को लाने के लिए वैज्ञानिक तरीकों और ऐतिहासिक वास्तविकताओं पर आधारित बदलाव की जरूरत है जिसे उन्होंने वैज्ञानिक समाजवाद कहा।

जो सकता है जहां श्रमिकों के हितों को ध्यान रखा जाएगा और उद्योग लाभ के लिए नहीं, बल्कि समाज के कल्याण के लिए कार्य करेंगे।

☐ फूरियरवाद → चार्ल्स फूरियर के विचारों को फूरियरवाद कहा जाता है। उन्होंने एक आदर्श समाज की कल्पना की जिसमें सामाजिक असमानता और संघर्ष नहीं होगी।

☐ The theory of four movements → यह उनकी प्रमुख कृति है जो 1808 में प्रकाशित हुई थी, जिसमें उन्होंने समाजिक अवस्था के चार प्रमुख चरणों (गति) पर अपने विचार व्यक्त किए।

☐ फालांक्स Phalanx → फूरियर ने एक समुदाय की कल्पना की जिसे Phalanx कहा गया। इसमें :-

- कोई पुलिस सेना या वकील नहीं होगी, क्योंकि समाज में कोई संघर्ष नहीं होगा।
- समाज पूरी तरह से सद्भावपूर्ण और सहयोगात्मक होगा।

— आकर्षक श्रम का सिद्धांत → फूरियर का मानना था कि लोगों को वही काम सौंपा जाना चाहिए जो उन्हें पसंद हों।

☐ उनका मानना था कि जब लोग अपने मनपसंद काम करेंगे तो कार्य का विभाजन स्वाभाविक रूप से आकर्षक और उत्पादक होगा।

क्रांतिकारी समाजवाद

○ इसके अंतर्गत मार्क्स तथा उसके अनुयायियों ने समाजवाद की स्थापना करने के लिए व्यावहारिक स्तर पर क्रांति का मार्ग बताया।

☐ सर्वहारा वर्ग को क्रांति के लिए प्रेरित किया गया। इसलिए मार्क्सवादी समाजवाद को "क्रांतिकारी समाजवाद" कहा जाता है।

☐ मार्क्स को यह विश्वास नहीं था कि लोकतांत्रिक पूंजीवादी तरीके से श्रमिक वर्ग के लिए बेहतर परिस्थितियाँ विकसित

- हेनरी डी साइमन, रॉबर्ट ओवन तथा चार्ल्स फूरियर प्रमुख काल्पनिक समाजवादी हैं।
- प्लेटो के "आदर्श राज्य" के कुछ शर्तों के साथ समाजवादी माना जा सकता है।
- जॉन ग्रे ने औद्योगिक क्रांति के बाद समाजवादी शब्द को लोकप्रिय बनाया।
- 16वीं-17वीं शताब्दी में थॉमस मूर, जेम्स हैरिंगटन तथा फ्रांसिस बेकन आदि ने एक समानता पर आधारित आदर्शवादी समाज की कल्पना की।
- रूसो के विचारों में भी समाजवाद के बीज हैं उन्होंने आधुनिक औद्योगिक समाज की कड़ी आलोचना की तथा इसकी प्रगति को विषमता पैदा करने वाला माना।
- हेनरी डी सेंट साइमन - ने समाज में विद्यमान समस्याओं को उजागर किया।
- "The New Christianity" (1825) सेंट साइमन की प्रमुख कृति है।
- उसका मानना था की एक अच्छी अवस्था वह होगी जिसमें बड़े पैमाने पर औद्योगीकरण होगा, सबको क्षमता के अनुसार काम तथा योग्यता के अनुसार वेतन मिलेगा।

रॉबर्ट ओवन → ने एक आदर्श समाज की कल्पना की, जहां उद्योगों का संचालन मात्र लाभ के लिये नहीं होगा। सभी लोगों को समस्त प्रकार की सुविधाएँ भी प्राप्त होंगी। अर्थात इस समाज में परस्पर हितों का ध्यान रखा जाएगा।

A NEW VIEW OF SOCIETY, 1816

- यह ओवन की सबसे प्रारंभिक कृति है जिसमें उन्होंने एक आदर्श समाज के निर्माण के लिए अपने विचारों को प्रस्तुत किया। इसमें उन्होंने बताया की कैसे एक सहयोगात्मक समाज बना